रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

''पांच दिवसीय राष्ट्रीय परिचर्चाः आत्मनिर्भर जबलपुर''

18 सितंबर 2020 पंचम दिवस

::विश्व बांस दिवस पर::

विषयः कृषि एवं डेयरी उद्योग : आत्मनिर्भर जबलपुर

प्रेस विज्ञप्ति

जबलपुर 18 सितम्बर। विश्वविद्यालय व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान रा.दु.वि.वि. जबलपुर एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, महाकौशल प्रांत, जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में ''पांच दिवसीय राष्ट्रीय परिचर्चा'' आत्मनिर्भर जबलपुर'' का आयोजन आज पंचम दिवस विषयः कृषि एवं डेयरी उद्योग : आत्मनिर्भर जबलपुर पर मंगलाचरण एवं सरस्वती वंदना से प्रारंभ किया गया।

अध्यक्षता करते हुए मान. कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने कहा कि जबलपुर एंव महाकौशल क्षेत्र की संस्कृतिक विरासत का आधार मुख्य रुप से कृषि पर आधारित था अब इसके आधुनिक परिप्रेक्षय में और विकास करने एवं सन्नत करने का समय आ गया है। विश्वविद्यालय व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान रा.दु.वि.वि. जबलपुर एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, महाकौशल प्रांत, जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में ''पांच दिवसीय राष्ट्रीय परिचर्चा'' आत्मनिर्भर जबलपुर'' के सफल आयोजन की शुभकामनाएं देते हुए सभी प्रकार के सुझावों के क्रियान्वयन की रुपरेखा बनाकर उन्हे संपादित करने की योजना पर अगले प्रयास करने हेतु वचनवद्धता जाहिर की।

मुख्य अतिथिः मा. प्रो. एस. पी. तिवारी, कुलपति, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान वि.वि. जबलपुर ने कहा कि रुचि के अनुरुप कृषि सेक्टर के कई आयामों पर जैसे कि फूड प्रोडक्शन,मिल्क प्रोसेसिंग, वर्मी कम्पोस्ट, गमले निर्माण, डेरी उत्पाद, पोल्टी फॉर्म, बी कीपिंग, पेडीस्ट्रा इत्यादि क्षेत्रों के कौशल विकास एवं प्रबंधन के प्रशिक्षण से विकास किया जा सकता है।

विशिष्ट अतिथिः

- प्रो. विपिन ब्यौहार, पूर्व पी.एस.सी. चैयरमैन म.प्र.– ने कहा कि आत्मनिर्भर जबलपुर के विकास के लिये वोकल फार लोकल होना होगा, सिंघाडा एवं इसके उत्पाद चिरौजी, आचार निर्माण, पान का संग्रहण, आदि कार्यो एवं लघु उद्योगों को बढावा दिया जाए।
- श्री अशोक कढैल, मध्य क्षेत्र संरक्षक, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास– ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत एवं जबलपुर में निर्माण में नई शिक्षा नीति के में भी शासन एवं प्रशासन के स्तर पर विद्यार्थियों को व्यावसायिक षिक्षा की सुविधा प्रदान की गई है।

- श्री सुभाष भाटिया, संस्थापक, ग्रीन बम्बू नर्सरी, जबलपुर ने आज विश्व बांस दिवस के अवसर पर बांस के नवीव रिसर्च एवं उत्पादों जैसे कि बैंबू चारकोल की साबुन का निर्माण, फेसपाउडर, स्क्रबर,ग्रीन टी, आदि की सविस्तार सपयोगिता एवं सोपानों को समझाया।

इस अवसर पर डॉ. गगनेश शर्मा, निदेशक, क्षेत्रीय जैविक कृषि केंद्र, जबलपुर, डॉ. पी.के. शुक्ला, डायरेक्टर, आर.सी.एफ.सी.एस.एफ.आर.आई., जबलपुर, श्री अजय तिवारी, अध्यक्ष, महाकौशल प्रांत, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, श्री रविन्द्र खम्परिया, से.नि., उपाध्यक्ष रेमण्ड ग्रुप एवं श्री संजय परोहा, परोहा पॉलीहाउस, जबलपुर उपस्थित रहे।

अतिथि परिचय एवं स्वागतः प्रो. सुरेंद्र सिंह, निदेशक, विश्वविद्यालय व्यावसायिक अध्ययन एवं काशल विकास संस्थान, रा .दु .वि .वि .,जबलपुर ने सभी सम्माननीय एवं अग्रणी कृषि एवं डेयरी उद्योग में सेवाओं से जुडे विशेषज्ञों का परिचय देते हुए स्वागत किया।

सार संक्षिप्त उदृबोधनः प्रो. राम रजक, संयोजक, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, महाकौशल प्रांत, जबलपुर ने कहा कि ''पांच दिवसीय राष्ट्रीय परिचर्चा'' आत्मनिर्भर जबलपुर'' के आज कृषि एवं डेयरी उद्योग : आत्मनिर्भर जबलपुर के संदर्भ में आए सभी विचारों को सारांशित किया।

धन्यवाद ज्ञापनः डॉ अजय मिश्रा ने दिया एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ मीनल दुबे ने किया।

वर्चुअल कार्यक्रम में डॉ. उमा त्रिपाठी, डॉ राम कुमार रजक, प्रो. राजेंद्र कुरारिया, प्रो. रीता भंडारी, डॉ बिहारी लाल द्विवेदी, डॉ अजय मिश्रा, डॉ नीलेश पाण्डेय, डॉ मीनल दुबे, डॉ मनोज पाण्डे, श्रीमति तनु कुररिया, डॉ रज्जन द्विवेदी, ई. महावीर त्रिवाठी, श्री रीतश चौरसिया, श्री प्रशांत चतुर्वेदी, श्री अमरकांत चौधरी, श्री धनश्याम बर्मन, आदि प्राध्यापकगण, अतिथि विद्वान एवं छात्र–छात्राऐ उपस्थित रहे।

::विश्व बांस दिवस पर:: वि.वि. के अतिथि विद्वान श्री रीतेश चौरसिया द्वारा स्वनिर्मित बांस के उत्पादों की प्रदर्शिनी ऑनलाइन प्रस्तुत की गई।

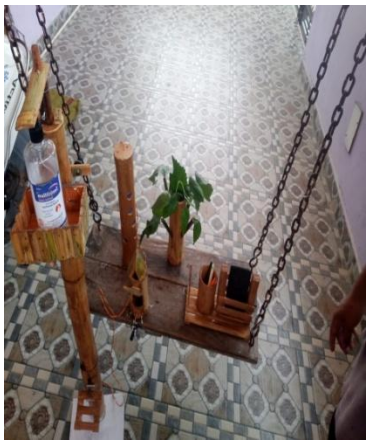

शोक सभा आयोजित

जबलपुर 18 सितम्बर। रादुविवि के मुख्य प्रशासनिक भवन में माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की उपस्थिति में विश्वविद्यालय के सिस्टम साइंस विभाग के पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. मिश्रा के आकस्मिक निधन पर समस्त अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं की सम्मिलित शोकसभा आयोजित की गई। शोक संदेश का वाचन प्रभारी कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा द्वारा किया गया।